Revised Syllabus

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

B.A./B.Sc./B.Com. I & II Sem.
HINDI LANGUAGE
&
B.A. I & II Sem.
HINDI LITERATURE

(Based on Choice Based Credit System)

SESSION : 2022-23

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2022–2023

स्नातक – प्रथम सेमेस्टर (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत) (CBCS)

मूल पाठ्यक्रम **(कोर कोर्स)**	(4) – प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
जेनेरिक पाठ्यक्रम	(4) – प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	(2)– प्रश्नपत्र : भाषा व्यवहार और सृजनात्मक साहित्य
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स) अनुप्रयोग	(2) – व्यवहारिक हिन्दी कार्यालयीन भाषा
मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडेड कोर्स)	(2) - व्यक्तित्व विकास

स्नातक – द्वितीय सेमेस्टर (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत) (CBCS)

मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)	(4) – प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता
जेनेरिक पाठ्यक्रम	(4) – प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	(2) – प्रश्नपत्र : पर्यावरण अध्ययन एवं पर्यावरण प्रोजेक्ट कार्य
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)	(2) – प्रश्नपत्र : 1. विज्ञापन और समाचार लेखन
मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडेड कोर्स)	(2)

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात्कोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2022–2023 हेतु अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित स्नातक हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

शैक्षणिक सत्र 2022–2023 हेतु स्नातक हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

स्नातक – प्रथम सेमेस्टर (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत) (CBCS)

मूल पाठ्यक्रम **(कोर कोर्स)**	(4) – प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
जेनेरिक पाठ्यक्रम	(4) – प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	(2)– प्रश्नपत्र : भाषा व्यवहार और सृजनात्मक साहित्य
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)	(2) – प्रश्नपत्र : 1. विज्ञापन और समाचार लेखन
मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडेड कोर्स)	(2) - व्यक्तित्व विकास

स्नातक – द्वितीय सेमेस्टर (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत) (CBCS)

मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)	(4) – प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता
जेनेरिक पाठ्यक्रम	(4) – प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	(2) – प्रश्नपत्र : पर्यावरण अध्ययन एवं पर्यावरण प्रोजेक्ट कार्य
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)	(2) – प्रश्नपत्र : 1. विज्ञापन और समाचार लेखन
मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडेड कोर्स)	(2)

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह ठाकुर, सेवा निवृत्त प्राचार्य 9.11.22	प्रो.थानसिंह वर्मा
	डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,	श्रीमती अन्नपूर्णा मरतो
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि** – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क,ख, तथा ग) होंगे ।
2. खण्ड 'क' में वस्तुनिष्ठ (खाली स्थान भरो) तथा अति लघूत्तरी (एक अथवा दो पंक्तियों में उत्तर) प्रश्न होंगे। **बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे** ।
3. खण्ड 'ख' में लघूत्तरी प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों की सीमा में लिखना होगा ।
4. खण्ड 'ग' में दीर्घ उत्तरीय/विवरणात्मक आलोचनात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी इनके उत्तर सटीक ढंग से तथा अधिकतम 350 शब्दों में देंगे ।
5. विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय– सामग्री का समग्र अध्ययन अपेक्षित है ।
6. स्नातक कक्षाओं के लिये अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्राप्त अंकों के 90 प्रतिशत के साथ जोड़ा जायेगा।

अंक विभाजन : कोर पाठ्यक्रम /जेनेरिक पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन निम्नानुसार है –
प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे)		2 x 10 = 20
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		4 x 5 = 20
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न साहित्यिक पाठ होने पर	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न साहित्यिक पाठ होने पर	8 X 3 = 24
		साहित्यिक पाठ न होने की स्थिति में दीर्घ उत्तरी प्रश्न	8 X 5 = 40
		कुल	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन			20 अंक

अंक विभाजन : कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन निम्नानुसार है –
प्रत्येक प्रश्न पत्र 50 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
सैद्धांतिक	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 आंतरिक विकल्प युक्त प्रश्न)		5 x 5 = 25
प्रायोगिक/ प्रोजेक्ट कार्य			25
		कुल	50 अंक

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	डॉ. जयप्रकाश साव
	डॉ. कृष्णा चटर्जी
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. अन्नपूर्णा महतो
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

स्नातक हिन्दी हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2022–2023

कक्षा	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
स्नातक प्रथम सेमेस्टर	कोर पाठ्यक्रम	80	32
	जेनेरिक पाठ्यक्रम	80	32
	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	40	16
	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)	50	20
	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडेड कोर्स)		
स्नातक द्वितीय सेमेस्टर	कोर पाठ्यक्रम	80	32
	जेनेरिक पाठ्यक्रम	80	32
	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)	40	16
	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)	50	20
	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम(वैल्यू एडेड कोर्स)		
आंतरिक मूल्यांकन कोर पाठ्यक्रम/जेनेरिक पाठ्यक्रम		20	08
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)		10	04

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :-**

सत्र 2022–2023

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : CCH 101

केडिट : 04
पूर्णांक : 80
आंतरिक : 20
कुल :100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
4. हिन्दी के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 : काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो
काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं

इकाई 2 : भक्ति आन्दोलन – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं

इकाई 3 : रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियां तथा
प्रमुख कवि

इकाई 4 : सन 1857 का स्वतन्त्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएं, महावीर
प्रसाद द्विवेदी उनका युग , प्रमुख साहित्यकार मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई 5 : हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास– उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी –
1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत हो सकेंगे।
2. हिन्दीसाहित्य के विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे ।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानांतर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम
की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. वासुदेव सिंह
5. मध्यकालीन काव्य चिंतन और संवेदना – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
6. मध्यकालीन काव्य वैभव – शीतला प्रसाद दुबे
7. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मुल्यांकन – रामकुमार वर्मा
8. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा
10. नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
11. नई कविता स्वरूप और समस्याएं – जगदीश गुप्त
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य विविध आयाम – रामचन्द्र तिवारी
13. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं – रामविलास शर्मा
14. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर

जेनेरिक पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : CCH 101

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 80
आंतरिक : 20
कुल :100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

5. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
6. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
7. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
8. हिन्दी के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 : काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ –
सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो
काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं

इकाई 2 : भक्ति आन्दोलन – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं

इकाई 3 : रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियां तथा
प्रमुख कवि

इकाई 4 : सन 1857 का स्वतन्त्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएं, महावीर
प्रसाद द्विवेदी उनका युग , प्रमुख साहित्यकार मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई 5 : हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास– उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी –

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत हो सकेंगे।
2. हिन्दीसाहित्य के विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे ।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानांतर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. वासुदेव सिंह
5. मध्यकालीन काव्य चिंतन और संवेदना – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
6. मध्यकालीन काव्य वैभव – शीतला प्रसाद दुबे
7. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मुल्यांकन – रामकुमार वर्मा
8. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा
10. नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
11. नई कविता स्वरूप और समस्याएं – जगदीश गुप्त
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य विविध आयाम – रामचन्द्र तिवारी
13. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं – रामविलास शर्मा
14. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

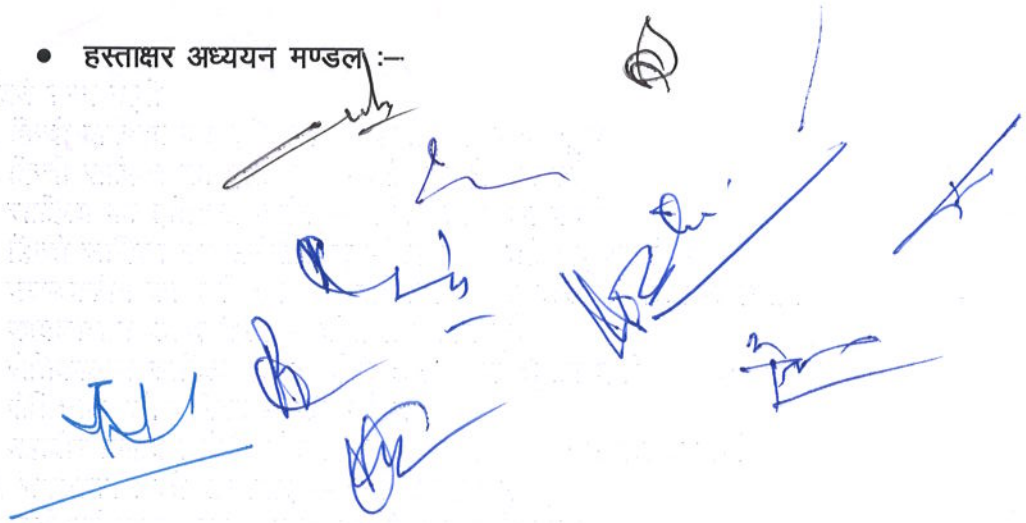

सत्र 2022–2023

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स)

भाषा व्यवहार और सृजनात्मक साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : AECH 101

क्रेडिट : 02
पूर्णांक : 40
आंतरिक : 10
कुल : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

1. विद्यार्थियों में भाषा के व्यावहारिक पहलुओं की सामान्य समझ विकसित करना।
2. अर्जित भाषा ज्ञान को अपने निजी भाषा व्यवहार में समुचित रूप से लागू करने की क्षमता विकसित करना।
3. हिन्दी की कुछ उत्कृष्ट रचनाओं से परिचय कराना।
4. साहित्यिक रचनाओं की अंतर्वस्तु के विश्लेषण की पद्धति से परिचय कराना।
5. विद्यार्थियों में रचना के मूल्यांकन की समझ उत्पन्न करना।
6. साहित्यिक पाठ के सूक्ष्म अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास
   करना।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 : (क) शब्द–विचार : (1) शब्दों का वर्गीकरण – 1. अर्थ के आधार पर, 2. परिवर्तन के आधार पर 3. व्युत्पत्ति के आधार पर, 4. उत्पत्ति के आधार पर

(2) शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास

(ख) स्नेह निर्झर बह गया– पं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 2 : (क) शब्दों का व्यावहारिक ज्ञान – उनार्थक, पर्यायवाची, अनेकार्थी, समानार्थी, समश्रुति मूलक, विपरार्थी, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(ख) अभी तक बारिश नहीं हुई – विनोद कुमार शुक्ल

इकाई 3 : (क) विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, वाच्य

(ख) सवा सेर गेंहू – प्रेमचंद

इकाई 4 : (क) अशुद्धियाँ एवं अशुद्धि शोधन – स्वर संबंधी, व्यंजन संबंधी, संज्ञा संबंधी, सर्वनाम संबंधी, विशेषण संबंधी, क्रिया संबंधी, वाच्य संबंधी

(ख) दो नाक वाले लोग – हरिशंकर परसाई

इकाई 5 : (क) मुहावरें एवं कहावतें– अर्थ, विशेषताएं, मुहावरे एवं कहावतों में अंतर, प्रचलित मुहावरे – अर्थ एवं प्रयोग, कहावतें और उसका प्रयोग

(ख) घुमक्कड़ शास्त्र – राहुल सांकृत्यायन

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् –

1. विद्यार्थियों में भाषा के व्यावहारिक पहलुओं की सामान्य समझ विकसित हो सकेगी।
2. विद्यार्थी अपने अर्जित भाषा ज्ञान को निजी भाषा व्यवहार में समुचित रूप से लागू करने की क्षमता विकसित
   कर सकेंगे।
3. हिन्दी की कुछ उत्कृष्ट रचनाओं से परिचय कर सकेंगे।
4. साहित्यिक रचनाओं की अंतर्वस्तु के विश्लेषण की पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में रचना के मूल्यांकन की समझ उत्पन्न होगी।
6. साहित्यिक पाठ के सूक्ष्म अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 50 अंकों का होगा

क्र.	**प्रश्न का प्रकार**		**अंक**
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 4 = 20
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)		10 X 2 = 20
		कुल	50 अंक

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. हिन्दी भाषा और व्यवहार – डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी
2. हिन्दी व्याकरण माला – डॉ. के. आर. महिया , डॉ. विमलेश शर्मा
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
4. प्रतिनिधि कविताएं – विनोद कुमार शुक्ल
5. कथाकार विनोद कुमार शुक्ल – डॉ. आस्था तिवारी
6. खिड़की के पार – डॉ. योगेश तिवारी
7. प्रेमचंद : जीवन कला और कृतित्व – हंसराज रहबर
8. कहानीकार प्रेमचंद, रचना दृष्टि और रचना शिल्प – शिवकुमार मिश्र
9. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
10. हरिशंकर का व्यंग्य साहित्यः – कपिल कुमार सिंह राघव
11. कथाशिखर – हरिशंकर परसाई – सं. विजय गुप्त
12. राहुल सांकृत्यायन – घुम्मकड़शास्त्र और यात्रावृत्त – डॉ. जानकी पाण्डेय
13. राहुल सांकृत्यायन की इतिहास दृष्टि – डॉ. चंद्रभानु

सत्र 2022–23
बी. ए. प्रथम सेमेस्टर
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)
कार्यालयीन भाषा–अनुप्रयोग
पाठ्यक्रम कोड : **CCHSE - 101**

क्रेडिट : 02
पूर्णांक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –
1. कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी देना।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और क़ानून की शब्दावली का ज्ञान कराना।

खण्ड : क **सैद्धांतिक** **25 अंक**

कार्यालयीन भाषा : प्रारूपण (पत्राचार– कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र, प्रतिवेदन, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प)।

टिप्पण : प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यवहारिक अनुप्रयोग।
संक्षेपण : प्रक्रिया एवं स्वरूप, कार्यालयीन अनुप्रयोग।
पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप, प्रक्रिया एवं महत्व।

अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

अनुवाद का प्रकार्यात्मक महत्व : जनसंचार, विज्ञान, तकनीकी, बैंकिंग, वाणिज्य आदि क्षेत्रों में अनुवाद की भूमिका।

इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करना होगा।

खण्ड : ख **प्रायोगिक /प्रोजेक्ट** **25 अंक**

1. कार्यालयीन पत्राचार एवं अनुवाद।
2. अनुवाद–दक्षता का व्यावहारिक परीक्षण।

पाठ्यक्रम का अधिगम–परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को–
1. राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया का समुचित ज्ञान होगा।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और क़ानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।
5. कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

संदर्भ पुस्तकें :
1. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति (चंद्रपाल शर्मा)
2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग (गोपीनाथ श्रीवास्तव)
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना (डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद)
4. प्रयोजनमूलक हिंदी (विनोद गोदरे)
5. प्रयोजनमूलक हिंदी (माधव सोनटक्के)
6.प्रयोजनमूलक हिंदी (डॉ. संजीव जैन)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर
मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)
मध्यकालीन हिन्दी कविता
पाठ्यक्रम कोड : CCH 102

केडिट : 04
पूर्णांक : 80
आंतरिक : 20
कुल :100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को –

1. मध्यकालीन हिन्दी कविता का प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना।
2. मध्यकालीन हिन्दी कविता की मूल संवेदना तथा उसके भाषिक स्वरुप से अवगत कराना।
3. भारतीय संस्कृति विशेषतः भक्तियुगीन संस्कृति से समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति रुझान उत्पन्न करना।
4. मध्यकालीन लोक जागरण की महान परम्परा से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 : कबीरदास (कबीर– सं. कांति कुमार जैन) प्रारंभिक 20 साखियाँ

इकाई 2 : सूरदास (भ्रमरगीत सार– सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 15 दोहे

इकाई 3 : तुलसीदास (रामचरितमानस का सुन्दरकाण्ड) प्रारंभिक 10 दोहे, चौपाई

इकाई 4 : बिहारीलाल (सतसई सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) चयनित 10 दोहे
दोहा क्र. (1, 11, 20, 21, 31, 32, 38, 51, 52, 60)
घनानंद (घनानंद कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 10 छंद

आंतरिक मूल्यांकन	–	**जाँच परीक्षा**	–	**10 अंक**
		सत्रीय कार्य	–	**10 अंक**
			=	**20 अंक**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् –
1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचय होगा।
2. भक्तिकाल के प्रमुख कवियों की काव्य संवेदना और उनकी सर्जनात्मकता से परिचय होगा।
3. रीति साहित्य स्वरुप तथा उसकी संवेदना से परिचय होगा।
4. मध्यकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी हो सकेगी ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
5. सूरदास – डॉ. हरबंश लाल शर्मा
6. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
7. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार
8. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. रीतिकाव्य की भूमिका नगेन्द्र
10. घनानंद काव्य और आलोचना – डॉ. किशोरीलाल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर
जेनेरिक पाठ्यक्रम
मध्यकालीन हिन्दी कविता
पाठ्यक्रम कोड : CCH 102

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 80
आंतरिक : 20
कुल :100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को –

1. मध्यकालीन हिन्दी कविता का प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना।
2. मध्यकालीन हिन्दी कविता की मूल संवेदना तथा उसके भाषिक स्वरुप से अवगत कराना।
3. भारतीय संस्कृति विशेषतः भक्तियुगीन संस्कृति से समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति रुझान उत्पन्न करना।
4. मध्यकालीन लोक जागरण की महान परम्परा से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 : कबीरदास (कबीर– सं. कांति कुमार जैन) प्रारंभिक 20 साखियाँ

इकाई 2 : सूरदास (भ्रमरगीत सार– सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 15 दोहे

इकाई 3 : तुलसीदास (रामचरितमानस का सुन्दरकाण्ड) प्रारंभिक 10 दोहे, चौपाई

इकाई 4 : बिहारीलाल (सतसई सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) चयनित 10 दोहे
दोहा क्र. (1, 11, 20, 21, 31, 32, 38, 51, 52, 60)
घनानंद (घनानंद कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 10 छंद

आंतरिक मूल्यांकन	–	**जाँच परीक्षा**	–	**10 अंक**
		सत्रीय कार्य	–	**10 अंक**
			=	**20 अंक**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् –

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचय होगा।
2. भक्तिकाल के प्रमुख कवियों की काव्य संवेदना और उनकी सर्जनात्मकता से परिचय होगा।
3. रीति साहित्य स्वरुप तथा उसकी संवेदना से परिचय होगा।
4. मध्यकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी हो सकेगी ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
5. सूरदास – डॉ. हरबंश लाल शर्मा
6. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
7. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार
8. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. रीतिकाव्य की भूमिका नगेन्द्र
10. घनानंद काव्य और आलोचना – डॉ. किशोरीलाल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023

बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स)

विज्ञापन और समाचार लेखन

पाठ्यक्रम कोड : CCHSE - 201

केडिट : 02
पूर्णांक : 25
प्रायोगिक /प्रोजेक्ट : 25
कुल : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को–

1. विज्ञापन लेखन की कला से अवगत कराना।
2. मीडिया उद्योग के सम्बन्ध में जानकारी देना।
3. समाचार लेखन कला का ज्ञान कराना।
4. मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।
5. साक्षात्कारकर्ता के रूप में विद्यार्थियों को तैयार करना।

खण्ड : क **सैद्धांतिक** **25 अंक**

पाठ्यक्रम विवरण :–

विज्ञापन की परिभाषा और स्वरूप

विज्ञापन के उद्देश्य

विज्ञापन माध्यम

विज्ञापन लेखन विज्ञापन कॉपी लेखन, विज्ञापन कॉपी के अंग, कॉपी लेखक के गुण

इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करना होगा।

खण्ड : ख **प्रायोगिक /प्रोजेक्ट** **25 अंक**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् –

1. विज्ञापन लेखन के प्रति अभिरुचि विकसित होगी।
2. मीडिया उद्योग में अच्छे कॉपी लेखक बन सकेंगे।
3. समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी।
4. रोजगार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी।
5. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसम्पर्क प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
2. हिंदी पत्रकारिता – डॉ कृष्ण बिहारी

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग छत्तीसगढ़

प्रति,

नियंत्रक
स्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़ा

हिन्दी विभाग द्वारा पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 09-11-2022 को आयोजित की गयी । बैठक में स्नातक प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी-भाषा तथा हिन्दी-साहित्य सत्र 22-23 के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है ।

संशोधित पाठ्यक्रम की प्रति प्रेषित है ।

9/11/22
विभागाध्यक्ष हिन्दी